

श्री आशापुराजी जोगणिया,
नाम धरायो ॥

तर्ज निज मंदिरिया में रमता ।

एक समय बांगाजी हाड़ा,
चौहान क्षत्री है गढ़वाड़ा,
रात यहां दर्शण कर ठाड़ा,
देखे भूप बैठे रजवाड़ा,
देखी अचरज माया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

बागा को बुलवाकर बोले,
रात मायं यहां कैसे डोले,
बागों मन की गुण्डी खोले,
कर विश्राम जहां यहां सोले,
सोरी कर ले काया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

बोल उठा निर्भय हो बांगा,
जगदम्बा की भक्ति मांगा,
बोल भूत भूप में दांगा,

कह रही शिवजी वामांगा,
अटल राज बक्षाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

यौ कहत ही बातों बात में,
गढ़ कर दीना रातों रात में,
बाग डोर वे दीनी हाथ में,
दियो परगणों मां प्रभाव में,
बंवावदा बसवाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

वणी वंश की सुनों कहानी,
हालासिंह राजा वरदानी,
बंवावदा की थी राजधानी,
हाड़ा मौज करे मन मानी,
श्री अरस परस महा माया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

इघ राजा राणी घर जाई,
जन्मी एक सुकुमारी बाई,
जिण रो ब्याव मन्डचो हरखाई,
जगदम्बा ने नूत बुलाई,
ने मेल मण्डपै आया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

बड़ी बारात धूम से आई,
नौबत बाजा बजे शहनाई,
कर सिणगार मात वहां आई,
रूण जुण रूण जुण नुपुर बजाई,
राजा रहिस लुभाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

मोह लिया माता ने सबको,
राजा देखरियो है कब को,
सरिया भूली अपने वर को,
चूम रही पावणियां कर को,
मोहनी चक्र फिराया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

कहे भूप सुनि यों सिंहं हाला,
कौन घरां की है यह बाला,
करने आई किसे निहाला,
हमें पहनावे क्या वर माला,
यों कर मखोल मुस्काया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

सुन रूद्राणी ब्रह्माणी रमा,
कुठित काम्यों पर जलीआत्मा,
करदूं इनका पलमें खात्मा,
दया विचार करचली व क्षमा,

थानक पै पदराया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

हाल सिंह को काँपयो हिवड़ो,
चरने आय माता के पड़ियो,
फिर से जावण मां मैं अड़ियो,
कर प्रार्थना खड़ियो-खड़ियो,
शरणे शीश नवाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

बोली मंड से कहे भवानी,
क्या तूने मुझको नहीं जानी,
नहीं जानी या नहीं पहचानी,
कुदृष्टि मुज पै क्यों तानी,
यू माता वचन सुनाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

माफ करो मुझ को कल्याणी,
क्षमा खमा है आद भवानी,
हाड़ा कुल की है महारानी,
अबके खूब करूं मिजमानी,
मां का मन हर्षाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

राजा गया काड ओगण को,
भैष धरयो जोगण को,
कर नखराली को सब ठणको,
चली निभाने अपने प्रण को,
भैरू संग सिधाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

भगती गण जट चली जोगणियां,
दरवाजे गाती रागणियां,
घुसने लगी है गढ़ आंगणियां,
ठहर अरिओ काल बेलणियां,
कड़वा बोल सुनाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

गम खाकर बोली जोगणियां,
मैं आई नुती पावणियां,
मैं जाऊं जहां रहे राणियां,
आई ब्याव में गीत गावणिया,
राजा से पुछ्वाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

मैं न जाणु राजा कहे ताड़ो,
दरवाजे से बाहर काढ़ो,
नहीं जावे तो बांसा फाड़ो,
जीमण नेवाड़ा में बाड़ो,

धक्का धूम लगाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

यों अपमान देख आपणो,
गुस्से में भर गयो हापणो,
थारो राज यो मैं ही थापणो,
भोग-भोग थने आग्यों धापणो,
नूत ने मान मिटाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

झट जगदम्बा खंग कर खड़िया,
मायां का परदा जब पड़िया,
आपस में कट कट कर लड़िया,
अपने आप गढ़किला ढड़िया,
रानी कुँवर बचाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

तैंसनेस करके गढ़वाड़ा,
में बंभावदा में पड़ग्या धाड़ा,
दिया रोज बूंदी रजवाड़ा,
बूंदीराज करो है हाड़ा,
अमर पट्टा बक्षाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

राणी कुंवर को कर यो राजी,
मारे पापी जो थे पाजी,
जोगण बण जोगणिया बाजी,
फिर थाला पे आप बिराजी,
भैरयो भजन बणाया,
श्री आशापुराजी जोगनिया,
नाम धरायो ॥

श्री आशापुराजी जोगणिया,
नाम धरायो ॥

गायक जब्बार जी ओर रामप्रसाद वैष्णव ।
प्रेषक चारभुजा साउंड जोरावरपुरा ।
9460405693

Source: <https://www.bharattemples.com/shri-aashapura-ji-joganiya-naam-dharayo/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>

info@bharattemples.com

7/7

BharatTemples.com